

न्यायालय : सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक) भादरा, जिला हनुमानगढ़पीठासीन अधिकारी : श्री सत्यनारायण आरएएस

प्रकरण सं० : 170/2020

1. राकेश कुमार पुत्र अमरसिंह जाति जाट निवासी अलायला त० भादरा।

:- वादी

ब न म

1. अमरसिंह पुत्र हरिसिंह जाति जाट निवासी अलायला त० भादरा।

2. सोहनवीर पुत्र अमरसिंह जाति जाट निवासी अलायला त० भादरा।

3. भावना पुत्री अमरसिंह जाति जाट निवासी अलायला त० भादरा।

:- प्रतिवादीगण

आज यह वाद मुझ सत्यनारायण सहायक कलक्टर फास्ट-ट्रैक भादरा के समक्ष वकील वादी श्री राजेन्द्र जाखल एवं वकील प्रतिवादीगण श्री रामजस गढवाल की उपस्थिति में निर्णय हेतु प्रस्तुत होने पर एवं वाद वादी साबित होने के कारण मुताबिक राजीनामा डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही मौजा अलायला के खाता सं० 75/70 के खसरा सं० 2 की 2.010 है० खसरा सं० 4 की 1.429 है० खसरा सं० 19 की 2.036 है० खसरा सं० 20 की 4.604 है० खसरा सं० 58 की 8.160 है० खसरा सं० 109 की 5.981 है० खसरा सं० 202 की 8.132 है० खसरा सं० 203 की 5.337 है० कुल 37.635 है० बाराणी खातेदारी में प्रतिवादी सं० 1 अमरसिंह के नाम 1/15 हिस्सा राजस्व रिकार्ड में दर्ज है। मैं तन्हा प्रतिवादी सं० 1 अमरसिंह की बजाय वादी व प्रतिवादी सं० 1 व 2 बहिस्सा बराबर के खातेदार काश्तकार घोषित किये जाते है। चूकिं प्रतिवादीया सं० 03 भावना ने अपना हक हिस्सा वादी व प्रतिवादी सं० 01 व 02 के पक्ष में त्याग कर शुन्य कर लिया है इसलिए त्याग किये गये हिस्से पर नियमानुसार पंजीयन विभाग को देय पंजीयन शुल्क व स्टाम्प ड्यूटी अदा करने व यदि कृषि भूमि बैंक के रहन है तो रहन मुक्त होने के उपरान्त ही उपरोक्तानुसार वादी सं० 01 राकेशकुमार व प्रतिवादी सं० 01 अमरसिंह व प्रतिवादी सं० 02 सोहनवीर को बहिस्सा बराबर के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज कर रिकार्ड दुरुस्त किया जावे। खर्चा वाद उभय पक्ष अपना अपना वहन करे।

यह पर्चा डिक्री आज दिनांक ०१-०३-२०२१ को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी की गई।



सहायक कलक्टर
(फास्ट ट्रैक) सत्यनारायण

सहायक कलक्टर (फास्ट ट्रैक)

भादरा, जिला हनुमानगढ़

न्यायालय : सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक) भादरा, जिला हनुमानगढ़

पीठासीन अधिकारी : श्री सत्यनारायण आरएएस

प्रकरण सं० : 170/2020

1. राकेश कुमार पुत्र अमरसिंह जाति जाट निवासी अलायला त० भादरा।

:- वादी

ब न म

1. अमरसिंह पुत्र हरिसिंह जाति जाट निवासी अलायला त० भादरा।

2. सोहनवीर पुत्र अमरसिंह जाति जाट निवासी अलायला त० भादरा।

3. भावना पुत्री अमरसिंह जाति जाट निवासी अलायला त० भादरा।

:- प्रतिवादीगण

दावा बाबत : घोषणात्मक एवं रिकार्ड दुरुस्ती

अन्तर्गत धारा 88 राज०काश्त०अधि० 1955

उपस्थिति : वकील श्री राजेन्द्र जाखल: वादी

वकील श्री रामजस गढवाल: प्रतिवादीगण

निर्णय

दिनांक : 01-03-2021



संक्षेप में वाद के तथ्य इस प्रकार है कि रोही मौजा अलायला के खाता सं० 75/70 के खसरा सं० 2 की 2.010 है० खसरा सं० 4 की 1.429 है० खसरा सं० 19 की 2.036 है० खसरा सं० 20 की 4.604 है० खसरा सं० 58 की 8.160 है० खसरा सं० 109 की 5.981 है० खसरा सं० 202 की 8.132 है० खसरा सं० 203 की 5.337 है० कुल 37.635 है० बाराणी खातेदारी में प्रतिवादी सं० 1 अमरसिंह के नाम 1/15 हिस्सा राजस्व रिकार्ड में दर्ज है। जो पहले वादी के दादा हरिसिंह की खातेदारी हुआ करती थी। हरिसिंह के वाद उक्त भूमि को प्रतिवादी सं० 1 अमरसिंह ने कर्ता खानदान होने के चलते तन्हा अपने नाम विरासतन दर्ज करवा ली।

वादी एवं प्रतिवादीगण हिन्दू हैं तथा हिन्दू विधि से शासित होते हैं। वादभूमि वादी की पैतृक कृषि भूमि है जिसमें वादीगण का जन्म से हक एवं अधिकार निहित है। वादी अपनी बंटवारा की भूमि को समतल, उपजाऊ बनाकर सुधार करना चाहते हैं जिसके लिए उन्हें केसीसी, ऋण आदि की आवश्यकता रहती है इसलिए वादी ने प्रतिवादीगण को उक्त वाद भूमि को अपने हक हिस्सा अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवाने के लिए कहा तो वे ऐसा करने से साफ इन्कार हो गये लिहाजा यही बनाए मुख्यास्मत है।

वाद पेश होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया। सम्मन तामील होने के उपरान्त वादी एवं प्रतिवादी सं० 1 ता 3 द्वारा आपसी सहमती से दावा की सभी मद संख्याओं को स्वीकार करते हुए अपने पहचान पत्रों के साथ से राजीनामा पेश किया गया। प्रतिवादीगण द्वारा राजीनामा पेश किये जाने पर तनकी की कोई आवश्यकता नहीं है। अतः पत्रावली में साक्ष्य करवाया गया।

साक्ष्य वादी में राकेशकुमार पुत्र अमरसिंह जाति जाट के बयान करवाये गये। दस्तावेजी साक्ष्य में सत्यप्रतिलिपि जमाबंदी रोही मौजा अलायला के खाता सं० 70/75 प्रदर्श 1 जमाबंदी संवत् 2029-38 प्रदर्श 2 व वारिस प्रमाण पत्र प्रदर्श 3 प्रदर्शित करवाये।

बहस उभयपक्ष सुनी गई। दौराने बहस वकील वादी ने वाद के तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया कि वाद भूमि वादी की पैतृक कृषि भूमि है जिसमें वादी का

जन्म से हक हिस्सा है। उक्त वाद भूमि प्रतिवादी सं 1 के नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज होने पर वादी के हकों पर विपरित असर पड़ता है। इस प्रकार मुताबिक राजीनामा व वाद में वर्णित भूमि पैतृक सम्पत्ति साबित होने पर वाद वादी डिक्री किये जाने हेतु निवेदन किया।


हमारे द्वारा विद्वान अग्निभाषक की बहस पर मनन किया गया। पत्रावली पर प्रस्तुत दस्तावेज का ध्यान पूर्वक अवलोकन किया गया। हस्तगत प्रकरण में वादी ने रोही अलायला के राजस्व रिकार्ड में अपने पिता के नाम दर्ज भूमि में अपने हकों की घोषणा करवाने हेतु वाद पेश किया है। वादी ने दावा की पुष्टि में जो सत्यप्रतिलिपि जमावंदी रोही मौजा अलायला के खाता सं 70/75 प्रदर्श 1 जमावंदी संवत् 2029-38 प्रदर्श 2 व वारिस प्रमाण पत्र प्रदर्श 3 प्रदर्शित करवाये। जिसमें जमावंदी प्रदर्श 1 व 2 से कृषि भूमि दादालाई पैतृक भूमि होना साबित है तथा प्रदर्श 3 में वारिस प्रमाण के अनुसार अमरसिंह के दो पुत्र राकेशकुमार, सोहनवीर तथा एक पुत्री भावना तथा इनके अलावा कोई वारिस नहीं होना अंकित है। इस प्रकार प्रस्तुत दस्तावेजी साक्ष्य से उक्त वाद भूमि पैतृक कृषि भूमि होना साबित है तथा वादी व प्रतिवादी सं 1 ता 3 का जन्म से हक हिस्सा निहित है इस प्रकार वाद भूमि में वादी व प्रतिवादी सं 1 व 2 को बहिस्सा बराबर के खातेदार घोषित किये जावें। चूंकि प्रतिवादीया सं 03 भावना ने अपना हक हिस्सा वादी व प्रतिवादी सं 01 व 02 के पक्ष में त्याग कर शुन्य कर लिया है। अतः वाद वादीगण मुताबिक राजीनामा व पैतृक सम्पत्ति के आधार पर काबिल स्वीकार होने पर स्वीकृत किया जाता है। ।

कियात्मक आदेश

अतः वाद वादीगण साबित होने के कारण मुताबिक राजीनामा डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही मौजा अलायला के खाता सं 75/70 के खसरा सं 2 की 2.010 है 0 खसरा सं 4 की 1.429 है 0 खसरा सं 19 की 2.036 है 0 खसरा सं 20 की 4.604 है 0 खसरा सं 58 की 8.160 है 0 खसरा सं 109 की 5.981 है 0 खसरा सं 202 की 8.132 है 0 खसरा सं 203 की 5.337 है 0 कुल 37.635 है 0 बारानी खातेदारी में प्रतिवादी सं 1 अमरसिंह के नाम 1/15 हिस्सा राजस्व रिकार्ड में दर्ज है। में तन्हा प्रतिवादी सं 1 अमरसिंह की बजाय वादी व प्रतिवादी सं 1 व 2 बहिस्सा बराबर के खातेदार काश्तकार घोषित किये जाते हैं। चूंकि प्रतिवादीया सं 03 भावना ने अपना हक हिस्सा वादी व प्रतिवादी सं 01 व 02 के पक्ष में त्याग कर शुन्य कर लिया है इसलिए त्याग किये गये हिस्से पर नियमानुसार पंजीयन विभाग को देय पंजीयन शुल्क व स्टाम्प ड्यूटी अदा करने व यदि कृषि भूमि बैंक के रहन है तो रहन मुक्त होने के उपरान्त ही उपरोक्तानुसार वादी सं 01 राकेशकुमार व प्रतिवादी सं 01 अमरसिंह व प्रतिवादी सं 02 सोहनवीर को बहिस्सा बराबर के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज कर रिकार्ड दुरुस्त किया जावे। खर्चा वाद उभय पक्ष अपना अपना वहन करे। पर्चा डिक्री जारी हो।

निर्णय आज दिनांक ...01-03-2021 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।




सहायक (सत्यनारायण)
(फास्ट ट्रैक) भादरा
R.A.S.
सहायक कलक्टर (फास्ट-ट्रैक)
भादरा, जिला हनुमानगढ़